चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 26.2.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1 to 6.....

'विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति'

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार का आयोजन, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वयन में अहम रोल होगा। यह बात गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कही।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वीरवार को भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर आयोजित वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की।

मुख्यातिथि ने प्रो. टंकेश्वर कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे।

वेबिनार के दौरान मौजूद गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह और कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज।

में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी : वेबिनार के मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है, क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा स्थापित होगी।

ये रहे मौजूद : वेबिनार में गुजवि के प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक, सीडीएलयू सिरसा के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा और हकृवि के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ. रवि गुप्ता, डॉ. राजीव कुमार पटेरिया, डॉ. संजय कुमार, डॉ. अमरजीत कालरा, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। वेबिनार में करीब 200 से अधिक शिक्षाविदों ने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे।

बेहतर संचार के लिए अच्छा श्रोता होना जरूरी : प्रो. समर

हिसार (ब्यूरो)। एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है, जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह से चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के वीरवार को समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 51 वैज्ञानिकों ने खुद को पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत करवाया। इनमें से 20 प्रतिभागी एचएयू से, जबकि 31 प्रतिभागी राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता, सहायक निदेशक, डॉ. अंजू सहरावत आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....वेबिनार के जागरण.....

दिनांक 26.2.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-5.....

कार्यक्रम नई शिक्षा नीति पर कृषि विश्वविद्यालय में वेविनार का हुआ आयोजन, कई विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों ने रखें विचार

वैश्विक नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका अहमः वीसी

जागरण संवाददाता, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि गुजवि के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार रहे तो अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की।

मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। भारत सही मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। वेबिनार भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।'

वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना होगी। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस नीति के क्रियान्वन के लिए इस तरह से प्रयास करें कि विद्यार्थियों को शिक्षा बोझ न लगे और उनकी स्वयं की इसके प्रति रूचि जागृत हो। जीजेयू में प्लेसमेंट निदेशक प्रताप मलिक ने वेबिनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्टातिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे।

वेबिनार के दौरान मौजूद गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह और कुलसचिव डा. बीआर कंबोज। • विज्ञप्ति

वेबिनार में जुड़े 200 शिक्षाविद्

इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डा. रवि गुप्ता व डा. राजीव कुमार पटेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डा. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डा. अमरजीत कालरा रहे। वेबिनार संयोजक ने वेबिनार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लिए आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और करीब 200 से अधिक शिक्षाविदों ने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व विभागाध्यक्षों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विभिन्न सत्र भी आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 26.2.2021....पृष्ठ संख्या....2.....कॉलम....3-7.....

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रो. टंकेश्वर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वैबिनार में शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

हिसार, 25 फरवरी (ब्यूरो): राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वैबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वैबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के

वैबिनार के दौरान मौजूद गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व एच.ए.यू. के कुलपति व कुलसचिव।

कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वैबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया।

मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी : वैबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है, क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व ध दोनों मिलेंगे। उन्होंने शिक्षकों आह्वान किया कि वे इस नीति क्रियान्वन के लिए इस तरह प्रयास करें कि विद्यार्थियों को शिक्ष बोझ न लगे और उनकी स्वयं क इसके प्रति रुचि जागृत हो।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लेसमैं निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वैबिना के समापन अवसर पर बतौर विशि अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृ रूप से अपने विचार रखे। इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भ शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तु किए। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों विभागाध्यक्षों द्वारा राष्ट्रीय शिक्ष नीति को लेकर विभिन्न सत्र भ आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 26.2.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-5.....

प्रो. टंकेश्वर बोले-राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुआ वेबिनार

भास्कर न्यूज | हिसार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वयन में अहम रोल होगा। ये विचार जीजेयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए।

वे एचएयू में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग की ओर से एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : प्रो. समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**25.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 फरवरी : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका थी। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आहवान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें। वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।

वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वेबिनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. राजीव कुमार पटेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालरा रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	**25.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

टुडे न्यूज | हिसार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अह्म भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था।

इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें। वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे न्यूज	**25.02.2021**	--	--

बेहतर संचार के लिए अच्छा श्रोता होना जरूरी : प्रो.समर सिंह

एचएयू में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

हिसार | सिरसा टुडे

एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह के लिए आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने इस तरह के निरंतर आयोजित किए जाने वाले कोर्सों के लिए निदेशालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में संचार कौशल और तकनीकी लेखन की बहुत महत्ता है, इसलिए हमारा सवांद प्रभावी होना चाहिए। निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल का कृषि और संबंधित क्षेत्रों में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों द्वारा इस कोर्स के सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से पूरा करने पर सराहना की। निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने पाठ्यक्रम के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**25.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीतिः प्रो. टंकेश्वर कुमार

पल पल न्यूजः हिसार, 25 फरवरी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति

आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें। वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बबकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस नीति के क्रियान्वन के लिए इस तरह से प्रयास करें कि विद्यार्थियों को शिक्षा बोझ न लगे और उनकी स्वयं की इसके प्रति रूचि जागृत हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग	**25.02.2021**	--	--

वेबिनार **एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुआ वेबिनार का आयोजन**

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : कुलपति

➪ शिक्षाविदों ने दिए अपने सुझाव

जगमार्ग न्यूज

हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा।

यह बात गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कही। वे बीरवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे।

इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**25.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रो. टंकेश्वर कुमार

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित वेबिनार में शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी : वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे।

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वेबिनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. राजीव कुमार पटेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालरा रहे। वेबिनार संयोजक ने वेबिनार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लिए आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी। वेबिनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और करीब 200 से अधिक शिक्षाविदों ने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे।

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : प्रो. समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**25.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीतिः प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी।

हिसार। वेबिनार के दौरान मौजूद गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार व एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी

वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस नीति के क्रियान्वन के लिए इस तरह से प्रयास करें कि विद्यार्थियों को शिक्षा बोझ न लगे और उनकी स्वयं की इसके प्रति रूचि जागृत हो। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वेबिनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. राजीव कुमार पटेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालरा रहे। वेबिनार संयोजक ने वेबिनार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लिए आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी।

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर: प्रो. समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**25.02.2021**	--	--

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं : प्रो. टंकेश्वर

हिसार/25 फरवरी/रिपोर्टर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय वैबीनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वैबीनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। इसका मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

वैबीनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है। वैबीनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बबकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुन: स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लेसमैंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वैबीनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विचार रखे। इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वैबीनार के संयोजक डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. राजीव कुमार पटेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालरा रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**25.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रो. टंकेश्वर

वैबिनार के दौरान मौजूद गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज।

हिसार, 25 फरवरी (राजकुमार) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वैबिनार, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : प्रोफेसर समर सिंह : वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्जवल था उतना ही भविष्य भी उज्जवल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**25.02.2021**	**Online**	--

शिक्षा

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : कुलपति

SHARE 0

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

हिसार,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा।

यह बात गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कही। वे वीरवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरू तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण है और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरू की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उतना ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी

वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलाधिपति जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुन: स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 26.2.2021...पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम...1-2.....

एचएयू में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म पर रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

हिसार | एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह के लिए आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पाठ्यक्रम समन्वयक और सहायक निदेशक डॉ. अंजू सहरावत ने बताया कि ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में 51 वैज्ञानिकों ने पाठयक्रम के लिए पंजीकृत करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**25.02.2021**	--	--

एचएयू में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

बेहतर संचार के लिए अच्छा श्रोता होना जरूरी : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह के लिए आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने इस तरह के निरंतर आयोजित किए जाने वाले कोर्सों के लिए निदेशालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में संचार कौशल और तकनीकी लेखन की बहुत महत्ता है, इसलिए हमारा सवांद प्रभावी होना चाहिए। निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल का कृषि और संबंधित क्षेत्रों में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों द्वारा इस कोर्स के सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से पूरा करने पर सराहना की। निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने पाठ्यक्रम के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है, जिसमें विभिन्न संचार माध्यमों के द्वारा जानकारियों का एक विशाल प्रवाह है। सूचना और विचारों के निरंतर और त्वरित आदान-प्रदान के इस युग में वैज्ञानिकों, शिक्षकों और विस्तार विशेषज्ञ अपने शोध के फलदायक परिणामों के रूप में शोध प्रकाशनों को सामने लाते हैं। इसलिए उन्हें तकनीकी लेखन एवं संचार कौशल की जानकारी होना बहुत जरूरी है।

देशभर से 51 प्रतिभागी हुए शामिल

पाठ्यक्रम समन्वयक और सहायक निदेशक, डॉ. अंजू सहरावत ने बताया कि ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 51 वैज्ञानिकों ने खुद को पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत करवाया। इनमें से 20 प्रतिभागी एचएयू से जबकि 31 प्रतिभागी राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे। कोर्स के दौरान प्रतिभागियों को समझ और प्रस्तुति में दक्षता, उच्चारण में बुनियादी मार्गदर्शन, बोली जाने वाली अंग्रेजी में समझदारी के बारे में बताया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**25.02.2021**	--	--

बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी : प्रो. सिंह

हिसार/25 फरवरी/रिपोर्टर

एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर आयोजित ऑनलाईन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में संचार कौशल और तकनीकी लेखन की बहुत महत्ता है, इसलिए हमारा सवांद प्रभावी होना चाहिए। निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल का कृषि और संबंधित क्षेत्रों में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों द्वारा इस कोर्स के सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से पूरा करने पर सराहना की। निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने पाठ्यक्रम के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है, जिसमें विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा जानकारियों का एक विशाल प्रवाह है। सूचना और विचारों के निरंतर और त्वरित आदान-प्रदान के इस युग में वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ अपने शोध के फलदायक परिणामों के रूप में शोध प्रकाशनों को सामने लाते हैं। इसलिए उन्हें तकनीकी लेखन एवं संचार कौशल की जानकारी होना बहुत जरूरी है। पाठ्यक्रम समन्वयक और सहायक निदेशक डॉ. अंजू सहरावत ने बताया कि ऑनलाईन रिफ्रेशर कोर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 51 वैज्ञानिकों ने खुद को पंजीकृत करवाया। इनमें से 20 प्रतिभागी एचएयू से जबकि 31 प्रतिभागी राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नान.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 26.2.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम....6.8.....

एचएयू में गेहूं की नई किस्म 1270, प्रति हेक्टेयर देती है 75 क्विंटल पैदावार

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों द्वारा विकसित की गई गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच-1270 नया रिकॉर्ड बनाती दिख रही है। इस किस्म की औसत पैदावार भी इतनी है कि करनाल के भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान भी इसे काफी अच्छा मान रहे हैं। इस किस्म की औसतन पैदावार 75.85 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंकी गई है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। ऐसे में अब अधिक से अधिक किसानों तक यह पहुंचाने की तैयारी विश्वविद्यालय कर रहा है। हाल ही में भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. जीपी सिंह एचएयू में आए तो उन्होंने भी विज्ञानियों से अपील की कि वह इस किस्म का अधिक से अधिक बीज तैयार करें और इसका प्रचार व प्रसार करते हुए किसानों को उपलब्ध करवाएं ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।

आमदनी बढ़ाने वाली पद्धति पर दिया जाएगा जोर

निदेशक डा. जीपी सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञानिक समय पर बिजाई की जाने वाली व अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों को विकसित करने पर अधिक शोध कार्य करें ताकि किसानों की आमदनी में इजाफा हो सके और वे खुशहाल हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के गेहूं व जौ अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत विज्ञानियों से रूबरू हुए।

गेहूं की यह उन्नत किस्म हरियाणा सहित कुछ अन्य राज्यों में भी उगाई जा रही है। इसकी जानकारी किसान विज्ञानियों से ले सकते हैं। वहीं कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि वे ऐसी तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों को विकसित करने पर जोर दें जिससे किसानों को कम खर्च में अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को कृषि विज्ञान केंद्रों व अन्य माध्यमों से ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने की कोशिश करें। किसानों को भी अपने स्तर पर विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से मिलकर अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही उनकी सलाहनुसार प्रयोग करें ताकि समय रहते फसलों पर आने वाली बीमारियों की रोकथाम की जा सके और फसलों से अधिकतम पैदावार हासिल की जा सके।